ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:- 02
ट्रैक नं:- ZOOM0027
ट्रैक समयावधि:- 1:11:25
कलाकार का नाम:- सुभान खाँ
पिता का नाम:- खमेखाँ
पता:- गाव- बड़नावा -चारणान् तह- पचपदरा
जिला- बाड़मेर
सहायक कलाकार:-
विडियो रिकॉर्डिंग समय:-
विषय:- कथा (बागजी और बीकानेर दरबार)
विशेष विवरण:-
दिनांक:- 25/05/2021
स्थान:- बड़नावा -चारणान्
गायन / वादन:-

यह कथा बागजी और बीकानेर दरबार की है। कथा बागजी नाम से प्रचलित है।

कथा की शुरुआत में बागजी कोटडिया उकेत होता है लेकिन बाद में सब कुछ छोड़कर एक साधारण व्यक्ति बन जाता है। एक दिन वहा जंगल में शिकार के लिए जाता है और उसे सुगन होते हैं कि अगर कोई व्यक्ति उत्तर दिशा में दस दिन की यात्रा करता है तो उसे इच्छापूर्ण धन की प्राप्ति हो जाती है वह दो तीन दिन जंगल में जाता है और उसे वही सुगन होते है तो वहा दिन का सामान लेकर उत्तर दिशा में निकल जाता है और पाँच दिन तक चलते जाता है। चलते-चलते रात हो जाती है तथा बागजी एक स्थान पर रुकता है। बीकानेर दरबार जैसलमेर से विवाह करके बारात के साथ वापिस बीकानेर जा रहा होता है पूरे काफिले के साथ बागजी के पास आकर रुकता है। इस तरह बागजी और बीकानेर दरबार के बीच वार्तालाप होती है और दोनों एक दुसरे को अपना परिचय देता है। बीकानेर दरबार बागजी से पूछता है कि इसी रात में आप जंगल में क्या कर रहे हो और कहा जा रहे हो तो बागजी बताता है कि मैं सुगनों के मुताबिक उत्तर दिशा में यात्रा करूंगा और मुझे इच्छा पूर्ण धन की पूर्ति होगी। तथा बीकानेर दरबार बागजी से कहता है कि तुम मुझे अपने सुगन दे दो। तथा मैं आपको इच्छा पूर्ण धन देता हूँ बागजी मना करता है लेकिन बीकानेर दरबार जिद्द करने लगता है। बारात में आए सभी लोग दरबार को बहुत समझाते है लेकिन वह नहीं मानता है और अन्त मे बागजी बीकानेर दरबार को अपने सुगन दे देता है और बदले में बीकानेर दरबार इच्छपूर्ण धन दे देता है और बागजी वही से अपने घर जाता है और बारात तथा वधू को वही छोड़कर बागजी द्वारा दिये गए सुगनो के अनुसार निकल जाता है। पाँच दिन तक वह लगातार चलता जाता है तो दस दिन पूर्ण हो जाते है लेकिन धन की प्राप्ति नहीं होती है और वहा एक मान्दर में जाकर रुकता है तो वह [redacted] सोचता है कि उन्हे कोई धन की पूर्ती नहीं होगी क्योंकि

उनकी यात्रा पूर्व हो चुके थी। थोड़ी देर बाद उसे ऊँट के पैरो की आहट सुनाई देती है तो वह छुप जाता है। थोड़ी देर में एक लड़का ऊँट पर सवार वहा आता है। वहा लड़का एक सेठ का लड़का होता है जो एक लड़की से प्रेम करता है और उसके माता-पिता उसकी शादी कहीं और करवाना चाहते है तो लड़का और लड़की अपने - अपने पिता के चलाने से धन लेकर भाग जाते है। लड़का पहले निकलता है तो वहा पहले मन्दिर पहुँच जाता है। वहा लड़का मन्दिर के अन्दर प्रवेश करता है तो दरबार उसे मार देता है और उसी के ऊँट पर सवार हो जाता है तभी वहा ऊँट पर सवार लड़की भी आ जाती है तथा बीकानेर दरबार ऊँट भगा देते है लेकिन वह लड़की सोचती है कि यह सेठ का लड़का इसलिए उसका पीछा करने लगती है और वे ऊँट को भगाते जाते है और वे भागते - भागते बहुत दूर चले जाते है। एक शहर में जाकर रुकते है तथा वहा लड़की बीकानेर दरबार पूछती है तो वह उसे बता देता है कि मैंने सेठ के लड़के को मार दिया तथा वहा लड़की कहती है अब मैं कहा जाऊँगी मैं तुमसे शादी करुँगी और बीकानेर दरबार उससे शादी कर लेता है और वे दोनो उसी शहर में रहने लगते है। एक दिन बीकानेर दरबार शिकार जाता है और वहां अपने हाथ की अंगूठी गिर जाती है और घर आकर उसे पता चलता है। और वह जब रात को जागत तो वह सोचता है कि अंगूठी हीरे की है तो सब उनको ढूँढना आसान होगा और वह अपनी को बिना बताए जंगल में चला जाता है। वहा अंगूठी की रोशनी में मणी समझकर आस-पास छुप रहा होता और वह अंगूठी उठाता है तो तो उसे सांप डस लेता है और वहा मर जाता है। प्रातःकाल समय उस शहर के राजा की लड़की मन्दिर में पूजा के लिए अपनी साखियों के साथ जा रही होती है तो वे बीकानेर दरबार की लास पर आकर गिरती है तो राजकुमारी कोरी गागर फूट जाती है और राजकुमारी को बीकानेर दरबार से शादी करने के अलावा कोई भी रास्ता नहीं है। इस तराह राजकुमारी मान्दिर जाकर अपना सिर पटकने लगती है और कहती है यातो इस आदमी को जीवीत करो नहीं तो मैं अपनी जान दे दूँगी। तो देवी की कृपा से बीकानेर दरबार

जिन्दा हो जाता है और राजकुमारी अपने महल में लेकर चली जाती है कुछ दिन वहा रहता है। एक दिन पहरेदारो को पता चल जाता है और वे उसको पकड़ने महल में आ जाते तो बीकानेर दरबार वहा से भाग निकलता है और एक सेठ के घर चला जाता है और उसे सारी बात बताता तो सेठ और सेठाणी कहते है ऐसे तो बचने का कोई लेकिन आप हमारे आ गए तो अब बचाना हमारा फर्ज है। तो वे कहते है कि आज की रात आप मेरी लड़की के कमरे में जाकर सो जाओ तथा बीकानेर दरबार उसकी लड़की के कमरे में जाकर सो जाता है थोड़ी देर में पहरेदार उसके पीछे आते वे कहते है कि उस कमरे में मेरी बेटी और दामद सो रहे है तो वे उस कमरे में देखते ही नही और वापिस चले जाते है। सुबहा होती है तो वहा लड़की कहती है कि तुमने एक रात मेरे में गुजारी है तो मुझसे शादी करनी पड़ेगी। इसप्रकार विवाह की तैयारियां करने लगते है तथा बीकानेर दरबार बहार घूमने निकलता है तो उसे वहा लड़की देख लेती है। जिसको छोड़कर अंगूठी ढूँढने गया था। वह बीकानेर दरबार के पास आती है और घर चलने के लिए कहती है तो वे दोनो लड़किया झगड़ने लगती है तभी वही ~~राजकुमारी~~ राजकुमारी जो उसे जिन्दा करके लाई थी वह भी वहा आ जाती और कहती है कि यह तो मेरा पति तुम क्यू झगड़ रहे हो तो वे तीनो झगड़ने लग जाती है। इसतरहा वे न्याय कराने के लिए राजा के पास जाती है और अपनी अपनी बात सुनाती है तो सभी की बाते सुनने के बाद वह कहता है कि आप तीनो इसकी पत्नी है। इस प्रकार बीकानेर दरबार तीनों पत्नियों और इच्छापूर्ण धन लेकर अपने घर वापिस बीकानेर जाता है और अपना राजकाज सम्भालता है।